

given a reply to part (b) of the question whether Government have taken a final decision on the financial aspect of this project and, if so, what is the amount so far spent and how much money will be spent during the remaining three years of the Third Plan on this shipyard.

**Shri Raj Bahadur:** So far as the price that we have paid for these 64 acres is concerned, I do not have the figures with me. But that is the only money that has been paid. The State Government is also building a road which is a diversion road.

#### Murder of Army Courier at Jodhpur

+  
\*582. { **Shri G. Mohanty:**  
      { **Dr. L. M. Singhvi:**  
      { **Shri Brij Raj Singh Kotah:**  
      { **Shri Ramchandra Mallick:**

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether investigations have been completed in the case of an army courier found murdered in a train compartment at Jodhpur on or about the 13th February, 1963; and

(b) if so, whether the motives of the murder are known and whether the culprit has been apprehended?

**The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy):** (a) No Sir.

(b) This will be known only after the police investigation has been completed. One person has since been arrested.

**Shri G. Mohanty:** May I know if it is a fact that some secret papers were stolen from the murdered army officer?

**Shri S. V. Ramaswamy:** It is not a fact that they were stolen. There were some papers which some courier had carried. They have all been recovered.

#### एजेंटोबैक्टर तथा फास्फो-बैक्टीरिन के सम्बन्ध में अनुसन्धान

५८३. श्री बेरवा कोटा : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुछ समय पूर्व रूस से मंगाये गये एजेंटोबैक्टर तथा फास्फो-बैक्टीरिन के नमूने तथा कीटाणुओं के सम्बन्ध में भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्था में किये जा रहे परीक्षणों तथा प्रयोगों की वर्तमान प्रगति क्या है ;

(ख) भारत में भूमि की रचना अथवा उर्वरता पर इनका क्या प्रभाव पड़ने की आशा है ;

(ग) सरकार इन उर्वरकों के उत्पादन और वितरण के लिये क्या कदम उठा रही है ; और

(घ) इन उर्वरकों का अनुमानित मूल्य क्या है तथा सस्ते मूल्य पर तथा बड़े पैमाने पर इनका उत्पादन करने की योजना का ब्यौरा क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (घ). सभा पटल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

#### विवरण

(क) पिछले कुछ वर्षों में भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली और देश के कुछ अन्य स्थानों पर उपज बढ़ाने के विचार से एजेंटोबैक्टर, फास्फो-बैक्टीरिन तथा अन्य सोयल बैक्टीरिया ( soil bacterio ) आदि के प्रयोग के विषय में परीक्षण जारी है। बरसीम, ग्वार, उड़द, चना, अरहर, सोयाबीन, गेहूँ, मकई तथा धान की फसलों पर प्रयोग किये गये। प्रयोग किये जाने वाले बैक्टीरियों में १९५७ में रूस से प्राप्त हुए तथा देश से पुथक किये गये बैक्टीरिया भी शामिल थे। ये परीक्षण